☎ STD 05278 V.C. 246223, 246330 (O)
05278 V.C. 246224, 245209 (R)
Fax V.C. 246330(O), 245209(R)
Registrar- 245957(O), 246042(R)
F.O.- 246386(O)

डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या (उ0प्र0)

DR. RAMMANOHAR LOHIA AVADHUNIVERSITY, AYODHYA (U.P.)

हिन्दुस्तान समाचार, अयोध्या

दिनांकः 04 अक्टूबर, 2020 पृष्ठ संख्याः 04

गांधी और शास्त्री जी के आदर्श पर चलें : कुलपति

अयोध्या | हिन्दुस्तान संवाद

अवध विश्वविद्यालय

- सोशल डिस्टेंसिंग के साथ मनाई गई गांधी व शास्त्री की जयंती
- शिक्षकों, अधिकारियों व कर्मचारियों को शपथ दिलाई

डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर रविशंकर सिंह ने कहा कि आज देश के दो महान सपूतों का जन्मदिन है। हमारे पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री इस देश की आत्मा थे। गरीबों के दिल में बसते थे। उनका व्यक्तित्व सादगी एवं निष्छलता से परिपूर्ण था। हम भाग्यशाली हैं कि ऐसे महान सपूत को श्रंद्धाजलि दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमें शास्त्री और गांधी जी से सीखना होगा कि बनावटीपन से कुछ नहीं होने वाला है। हम जो हैं वही दिखें। उन्होंने कहा कि शास्त्री और गांधी जी के आदर्श को जीवन में ग्रहण कर लें तो समाज और देश का भला होगा।

कुलपति प्रो. सिंह राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि हमें अपनी गलतियों को स्वीकारना चाहिए। कार्यक्रम में कुलपति प्रो. सिंह ने सोशल डिस्टेंसिंग का पालन कराते हुए शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों को शपथ दिलाई और रघुपति राघव राजा राम जैसे भजनों को गाकर विश्वविद्यालय के शिक्षकों व कर्मचारियों ने महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के जीवन आदर्श के प्रति आभार व्यक्त किया और उसेआत्मसात करने के लिए अपील की।

अवध विश्वविद्यालय में चित्र पर माल्यार्पण करते कुलपति व चीफ प्रॉक्टर

इस दौरान कुलसचिव उमानाथ, वित्त अधिकारी धनंजय सिंह, उपकुलसचिव विनय कुमार सिंह, मुख्य नियंता प्रो. अजय प्रताप सिंह, प्रो. चयन कुमार मिश्र, प्रो. एमपी सिंह, प्रो. जसवंत सिंह, प्रो. अशोक शुक्ल, प्रो. एसएन शुक्ल, प्रो. हिमांशु शेखर सिंह, प्रो. केके वर्मा, प्रो. आशुतोष सिन्हा, प्रो. एसएस मिश्र, प्रो. आरके सिंह, प्रो. राजीव गौड़, प्रो. सिद्धार्थ शुक्ल, प्रो. शैलेन्द्र कुमार, डॉ. राजेश सिंह, प्रो. विनोद श्रीवास्तव, प्रो. शैलेन्द्र कुमार वर्मा, प्रो. अनूप कुमार, प्रो. रमापति मिश्र, डॉ. विनोद चौधरी, राजेश पाण्डेय समेत अन्य अध्यापक व कर्मचारी मौजूद रहे।

हिन्दुस्तान समाचार, अयोध्या
दिनांक: 04 अक्टूबर, 2020 पृष्ठ संख्या: 07

पर्यावरण जागरूकता के लिए निकाली पदयात्रा

पौधरोपण किया

अयोध्या | हिन्दुस्तान संवाद

डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 151वीं जयंती पर स्वच्छता एवं पर्यावरण जागरूकता के लिए पदयात्रा आयोजित की गई। पदयात्रा को परिसर स्थित महात्मा गांधी की प्रतिमा से कुलपति प्रो. रविशंकर सिंह ने रवाना किया।

पदयात्रा विश्वविद्यालय परिसर से नाका हनुमानगढ़ी होते हुए विश्वविद्यालय परिसर में समाप्त हुई। पदयात्रा की अगुवाई कुलसचिव उमानाथ व मुख्य नियंता प्रो. अजय प्रताप सिंह ने की। पदयात्रा में महात्मा गांधी के जीवन आदर्श को आत्मसात करने के लिए जन-जागरण अभियान के तहत विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी एवं कर्मचारियों ने सोशल डिस्टेंसिंग के तहत हिस्सा लिया। पदयात्रा के समापन पर कुलपति प्रो. सिंह ने परिसर में स्थापित गांधी जी, सरदार वल्लभभाई पटेल एवं डॉ. राममनोहर लोहिया की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर वृक्षारोपण किया।

प्रार्थना सभा का किया आयोजन

अयोध्या। साकेत महाविद्यालय में गांधी जयन्ती कार्यक्रम सर्व धर्म प्रार्थना सभा के रूप में परम्परागत ढंग से मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ प्रभारी प्राचार्य डॉ. योगेन्द्र प्रसाद त्रिपाठी, छात्र कल्याण अधिकारी डॉ. शिव कुमार तिवारी व सांस्कृतिक परिषद के अध्यक्ष डॉ. प्रणय कुमार त्रिपाठी ने गांधी जी एवं लाल बहादुर शास्त्री के चित्र पर माल्यार्पण कर किया। संगीत विभागाध्यक्ष डॉ. सुरभि पाल ने गांधी जी के प्रिय भजन ''वैष्णो जन तो तेने कहिये, जे पीड़ पराई जाणे रे एवं रामधुन रघुपति राघव राजा राम' प्रस्तुत किया। सर्वधर्म प्रार्थना सभा में डॉ. राम लाल विश्वकर्मा ने गीता, डॉ. मिर्जा शहाब शाह ने कुरान, डॉ. असीम त्रिपाठी ने बाइबिल, ज्ञानी गुरूजीत सिंह खालसा ने गुरूग्रंथ साहिब एवं डॉ. अशोक कुमार मिश्र ने रामचरितमानस से पाठ किया। कार्यक्रम को जैशराज शुक्ल, डॉ. शिव कुमार तिवारी एवं डॉ. योगेन्द्र प्रसाद त्रिपाठी ने सम्बोधित किया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. प्रणय कुमार त्रिपाठी एवं कार्यक्रम का संचालन वाणिज्य विभागाध्यक्ष डॉ. मिर्जा शहाब शाह ने किया।

अमर उजाला माईसिटी,अयोध्या
दिनांक: 04 अक्टूबर, 2020 पृष्ठ संख्या: 04

बीएससी प्रोग्राम में चतुर्थ ई-व्याख्यान

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय में ई-ज्ञान दर्शन के तहत बीएससी प्रोग्राम में चतुर्थ ई-व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक प्रो. आंचल श्रीवास्तव ने भौतिक नोबेल पदार्थों की महत्ता पर प्रकाश डाला। बताया कि भौतिक नोबेल पदार्थ वर्तमान में वैज्ञानिक व औद्योगिक तकनीकी की आधारभूत आवश्यकता बन गई है। इन नोबेल पदार्थों के संश्लेषण व क्रियाविधि द्वारा आसानी से समझा जा सकता है। व्याख्यान में बीएससी के समन्वयक प्रो. केके वर्मा ने भौतिक नोबेल पदार्थों की महत्ता को बताते हुए कहा कि वर्तमान तकनीकी के क्षेत्र में इसकी उपयोगिता बढ़ गई है। इस क्षेत्र में भी युवा अपना भविष्य बना सकते हैं। प्रो. वर्मा ने बताया कि इस प्रोग्राम द्वारा यह चतुर्थ ई-व्याख्यान है। ई-व्याख्यान के संयोजक डॉ. अश्विनी कुमार ने शोध व शिक्षण उपलब्धियों से छात्र-छात्राओं को रूबरू कराया। इस अवसर पर डॉ. संजीव कुमार सिंह, डॉ. जीतेंद्र कौशल श्रीवास्तव, डॉ. गया प्रसाद तिवारी, डॉ. ज्ञानेश्वर कुमार गुप्ता, इंजीनियर रजत चैरसिया, निधि अस्थाना सहित समस्त छात्र व छात्राएं उपस्थित रहे।

कुष्ठ आश्रम के लोगों को कुलपति प्रो. रविशंकर सिंह ने किया सम्मानित

अश्वनी पांडेय

जनाभास अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के संत कबीर सभागार में गांधी जयंती के अवसर पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती पर अन्तरराष्ट्रीय अहिंसा दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अयोध्या टीएलएम हॉस्पिटल एवं कुष्ठ आश्रम के प्रिंसिपल बीनो बेरी तथा आए हुए कुष्ठ आश्रम के लोगों को स्मृति चिन्ह, पुष्पगुच्छ एवं फल आदि देकर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह ने सम्मानित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे विश्वविद्यालय के कुलपति ने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी कुष्ठ रोगियों के प्रति स्नेह व सेवाभाव रखते थे, इसलिए पुण्य तिथि को

कुष्ठ दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि बापू ने कुष्ठ रोगियों की सेवा कर यह सन्देश दिया कि कुष्ठ रोग से पीड़ित लोगों की सेवा करने से या उनके पास रहने से यह बीमारी नही फैलती। कुलपति प्रो. सिंह ने बताया कि गांधी जी के अहिंसा की सीख को आज भी पूरी दुनिया में सम्मान के साथ याद करती है और उसका व्यापक रूप से पालन भी किया जा रहा है। दक्षिण अफ्रीका में भारतीयों के अधिकारों के लिए संघर्ष के दौरान स्व शुद्धिकरण और सत्याग्रह से शुरू उनके प्रयोग ने दुनिया को अहिंसा के रूप में प्रतिरोध का सबसे शक्तिशाली और कारगर हथियार दे दिया है। कार्यक्रम में कुलसचिव उमानाथ ने बताया कि लाल बहादुर शास्त्री जी की ईमानदारी देश में ही नहीं बल्कि विदेशों में भी प्रख्यात थी। आज के इस भ्रष्टाचार से संचित परिवेश में यदि हम शास्त्री जी गांधी जी के आदर्शों पर चले तो निश्चित ही हम अपने जीवन में परिवर्तन ला सकते है। विश्वविद्यालय के मुख्य नियंता प्रो0 अजय प्रताप सिंह ने बताया कि इस दिन को विश्व अहिंसा दिवस के रूप में मनाया जाता है। विश्व में गांधी जी को उनके अहिंसात्मक आंदोलन तथा वैश्विक स्तर पर उनका सम्मान व्यक्त करने के लिए भी मनाया जाता है। साथ ही उन्होंने बताया कि गांधी जी कहते थे कि अहिंसा एक दर्शन है, एक सिद्धांत है और एक अनुभव है जिसके आधार पर समाज को बेहतर बनाया जा सकता है। कार्यक्रम में डिपार्टमेंट ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन के प्रो. शैलेंद्र वर्मा ने गांधी जी एवं लाल बहादुर शास्त्री के जीवन शैली पर प्रकाश डालते हुए जीवन में सत्य एवं अहिंसा के मार्ग पर चलने को प्रोत्साहित किया। उन्होंने यह भी बताया कि किस तरह से गांधी जी ने शास्त्री जी ने आज से कईयों साल पूर्व ही आत्मनिर्भर भारत स्वच्छ भारत का सपना दिखाया था जो कि आज के इस परिवेश में सार्थक सिद्ध हो रहा है। कार्यक्रम में आई0ई0टी0 संस्थान के निदेशक प्रो. रमापति मिश्रा अतिथियों का पुष्पगुच्छ एवं रामनामी भेटकर स्वागत किया। उन्होंने बताया कि आज गांधी जी एवं शास्त्री जी के आदर्शों को आत्मसात करने जरूरत है। कार्यक्रम संयोजक नितेश दीक्षित, आशीष पांडे, राजीव कुमार, दिलीप कुमार, प्रवीण मिश्रा, अमित सिंह तथा मनीषा यादव रही। कार्यक्रम की रूपरेखा पर इंजीनियर राजीव कुमार ने बताया ऑनलाइन माध्यम से क्विज एवं निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है जिसका परिणाम भी घोषित कर दिया गया है। कोविड–19 के दृष्टि छात्र–छात्राओंको बाद मेंकुलपति जी द्वारा सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम का संचालन इंजीनियर मनीषा यादव द्वारा किया गया। कार्यक्रम में उपकुलसचिव विनय कुमार सिंह, डॉ. राजेश कुमार सिंह, अवधेश यादव, दिलीप यादव, अमित सिहं, अंकित सहित अन्य शिक्षक एवं छात्र–छात्राएं उपस्थित रही।

ा पर्दाफाश

दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। तो वही दो आरोपी अभी फरार बताए जा रहे हैं जिनकी पुलिस जल्द ही गिरफ्तारी की बात कर रही है वही आपको बता दें कि इन अभियुक्तों को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम को पुलिस अधीक्षक द्वारा पुरस्कारीत भी किया जाएगा। आपको बता दें कि गिरफ्तार अभियुक्तों के पास से पुलिस को करीब 5430 जोड़ी नकली गोल्डस्टार के जुटे बरामद किये इसके साथ ही पुलिस ने 4500 अदबने जुते, 15 डाई, 30 डाई फ्रेम लोहा, 10 फर्मा, 5 बोरी पीवीसी रेसिन, 3 अदद चाकू, 1 जरी केन में 15 लीटर केमिकल, एक रेती, हथोड़ी, एक कैंची, 15 किलो फेविकोल, कच्चा प्लास्टिक रबर, भारी मात्रा में फीते, पतावा आदि बरामद किया है।

आचार्य नरेंद्रदेव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कुमारगंज अयोध्या को नैक में मिला बी ग्रेड

अश्वनी पांडेय

जनाभास,कुमारगंज ।आचार्य नरेंद्रदेव कृषि विश्वविद्यालय को पांच वर्षों बाद नैक मूल्यांकन में सफलता

हासिल हुई और बी ग्रेड मिला। कुलपति विश्वविद्यालय को आर्थिक सहायता मिलनी शुरू हो जाएगी। कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह के प्रयास व प्रतिबद्धता की तारीफ हो रही है। अखिल भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आइसीएआर) के महानिदेशक डॉ. त्रिलोचन महापात्रा की अध्यक्षता में नेशनल एग्रीकल्चर एजुकेशन एक्रिडिशन बोर्ड की बैठक 17 सितंबर को वर्चुअल तरीके से हुई। इसमें टीम के मूल्यांकन की रिपोर्ट

अहम प्रयास किया। उन्होंने विश्वविद्यालय के शिक्षक व कर्मचारियों को धन्यवाद दिया। नैक मूल्यांकन को लेकर ही उत्तर प्रदेश सरकार के कृषि एवं कृषि शिक्षा मंत्री सूर्यप्रताप शाही ने भी यहां कैंप किया था।

सुविधा विस्तार को मिलेंगे 25 करोड़।

अयोध्या:नैक मूल्यांकन में बी ग्रेड हासिल होने से नरेंद्रदेव कृषि विश्वविद्यालय के सपनों में पंख लग गए। अब प्रतिवर्ष 20 से 25 करोड़ रुपए का अनुदान मिलने लगेगा। आइसीआर छात्रों को छात्रवृत्ति देगा।

जनाभास, लखनऊ

दिनांक: 04 अक्टूबर, 2020 पृष्ठ संख्या: 04

भौतिक नोबेल तकनीकी की आधारभूत आवश्यकता बन गई है:प्रो.आचल श्रीवास्तव

अश्वनी पांडेय

जनाभास, अयोध्या। डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय में ई–ज्ञान दर्शन के तहत बीएससी प्रोग्राम में चतुर्थ ई–व्याख्यान का आयोजन आज 03 अक्टूबर, 2020 को सांय 3 बजे किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक प्रो0 आचल श्रीवास्तव ने भौतिक नोबेल पदार्थों की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए बताया कि भौतिक नोबेल पदार्थ वर्तमान में वैज्ञानिक व औद्योगिक तकनीकी की आधारभूत आवश्यकता बन गई है। इन नोबेल पदार्थो के संश्लेषण व क्रियाविधि द्वारा आसानी से समझा जा सकता है। उन्होंने बताया कि नोबेल पदार्थो के माध्यम से मोबाइल, लेजर टेक्नोलॉजी, क्वांटम केस्केड लेजर, नैनो इलेक्ट्रॉनिक्स, मैग्लेव ट्रेंस व अन्य वैज्ञानिक क्षेत्र व व्यावसायिक क्षेत्रों अभूतपूर्व प्रगति हो रही है। देश को औद्योगिक व तकनीकी क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की संकल्पना को अत्यंत बल मिल रहा है। इसी क्रम में प्रो0 श्रीवास्तव ने छात्र–छात्राओं को अर्धचालक, अतिचालक व नैनो पदार्थो के बारे में मूलभूत जानकारी प्रदान की। व्याख्यान में बीएससी के समन्वयक प्रो0 के0 के0 वर्मा ने भौतिक नोबेल पदार्थों की महत्ता को बतातें हुए कहा कि वर्तमान तकनीकी के क्षेत्र में इसकी उपयोगिता बढ़ गई है। इस क्षेत्र में भी युवा अपना भविष्य बना सकते है। प्रो0 वर्मा ने बताया कि इस प्रोग्राम द्वारा यह चतुर्थ ई–व्याख्यान है। इसके प्रेरणा स्त्रोत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह जी है। आगे भी छात्र–छात्राओं के व्यवहारिक ज्ञान अर्जन के लिए कार्यक्रम होते रहेंगे। ई–व्याख्यान के संयोजक डॉ0 अश्विनी कुमार ने अतिथि का परिचय कराते हुए उनके द्वारा किए गये शोध व शिक्षण उपलब्धियों से छात्र–छात्राओं को रूबरू कराया। इस अवसर पर डॉ0 संजीव कुमार सिंह, डॉ0 जीतेन्द्र कौशल श्रीवास्तव, डॉ0 गया प्रसाद तिवारी, डॉ0 ज्ञानेश्वर कुमार गुप्ता, इंजीनियर रजत चौरसिया, निधि अस्थाना सहित समस्त छात्र व छात्राएं उपस्थित रहे।

ग्राम्यवार्ता, लखनऊ
दिनांक: 04 अक्टूबर, 2020 पृष्ठ संख्या: 05

बीएससी प्रोग्राम में चतुर्थ ई-व्याख्यान का हुआ आयोजन

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय में ई-ज्ञान दर्शन के तहत बीएससी प्रोग्राम में चतुर्थ ई-व्याख्यान का आयोजन आज 03 अक्टूबर, 2020 को सांय 3 बजे किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक प्रो. आचल श्रीवास्तव ने भौतिक नोबेल पदार्थों की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए बताया कि भौतिक नोबेल पदार्थ वर्तमान में वैज्ञानिक व औद्योगिक तकनीकी की आधारभूत आवश्यकता बन गई है। इन नोबेल पदार्थों के संश्लेषण व क्रियाविधि द्वारा आसानी से समझा जा सकता है। उन्होंने बताया कि नोबेल पदार्थों के माध्यम से मोबाइल, लेजर टेक्नोलॉजी, क्वांटम केस्केड लेजर, नैनो इलेक्ट्रॉनिक्स, मैग्लेव ट्रेंस व अन्य वैज्ञानिक क्षेत्र व व्यावसायिक क्षेत्रों अभूतपूर्व प्रगति हो रही है। देश को औद्योगिक व तकनीकी क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की संकल्पना को अत्यंत बल मिल रहा है। इसी क्रम में प्रो. श्रीवास्तव ने छात्र-छात्राओं को अर्धचालक, अतिचालक व नैनो पदार्थों के बारे में मूलभूत जानकारी प्रदान की।

व्याख्यान में बीएससी के समन्वयक प्रो. के. के. वर्मा ने भौतिक नोबेल पदार्थों की महत्ता को बताते हुए कहा कि वर्तमान तकनीकी के क्षेत्र में इसकी उपयोगिता बढ़ गई है। इस क्षेत्र में भी युवा अपना भविष्य बना सकते है। प्रो. वर्मा ने बताया कि इस प्रोग्राम द्वारा यह चतुर्थ ई-व्याख्यान है। इसके प्रेरणा स्त्रोत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रविशंकर सिंह जी है। आगे भी छात्र-छात्राओं के व्यवहारिक ज्ञान अर्जन के लिए कार्यक्रम होते रहेंगे। ई-व्याख्यान के संयोजक डॉ. अश्विनी कुमार ने अतिथि का परिचय कराते हुए उनके द्वारा किए गये शोध व शिक्षण उपलब्धियों से छात्र-छात्राओं को रूबरू कराया।

तरूण प्रवाह, लखनऊ

दिनांक: 04 अक्टूबर, 2020 पृष्ठ संख्या: 03

बीएससी प्रोग्राम में चतुर्थ ई–व्याख्यान का हुआ आयोजन

भौतिक नोबेल तकनीकी की आधारभूत आवश्यकता बन गई है: प्रो0 आचल

अयोध्या।

डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय में ई–ज्ञान दर्शन के तहत बीएससी प्रोग्राम में चतुर्थ ई–व्याख्यान का आयोजन आज 03 अक्टूबर, 2020 को सांय 3 बजे किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक प्रो0 आचल श्रीवास्तव ने भौतिक नोबेल पदार्थों की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए बताया कि भौतिक नोबेल पदार्थ वर्तमान में वैज्ञानिक व औद्योगिक तकनीकी की आधारभूत आवश्यकता बन गई है। इन नोबेल पदार्थों के संश्लेषण व क्रियाविधि द्वारा आसानी से समझा जा सकता है। उन्होंने बताया कि नोबेल पदार्थों के माध्यम से मोबाइल, लेजर टेक्नोलॉजी, क्वांटम केस्केड लेजर, नैनो इलेक्ट्रॉनिक्स, मैग्लेव ट्रेंस व अन्य वैज्ञानिक क्षेत्र व व्यावसायिक क्षेत्रों अभूतपूर्व प्रगति हो रही है। देश को औद्योगिक व तकनीकी क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की संकल्पना को अत्यंत बल मिल रहा है। इसी क्रम में प्रो0 श्रीवास्तव ने छात्र–छात्राओं को अर्धचालक, अतिचालक व नैनो पदार्थों के बारे में मूलभूत जानकारी प्रदान की। व्याख्यान में बीएससी के समन्वयक प्रो0 के0 के0 वर्मा ने भौतिक नोबेल पदार्थों की महत्ता को बतातें हुए कहा कि वर्तमान तकनीकी के क्षेत्र में इसकी उपयोगिता बढ़ गई है। इस क्षेत्र में भी युवा अपना भविष्य बना सकते है। प्रो0 वर्मा ने बताया कि इस प्रोग्राम द्वारा यह चतुर्थ ई–व्याख्यान है। इसके प्रेरणा स्त्रोत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह जी है। आगे भी छात्र–छात्राओं के व्यवहारिक ज्ञान अर्जन के लिए कार्यक्रम होते रहेंगे। ई–व्याख्यान के संयोजक डॉ0 अश्विनी कुमार ने अतिथि का परिचय कराते हुए उनके द्वारा किए गये शोध व शिक्षण उपलब्धियों से छात्र–छात्राओं को रूबरू कराया। इस अवसर पर डॉ0 संजीव कुमार सिंह, डॉ0 जीतेन्द्र कौशल श्रीवास्तव, डॉ0 गया प्रसाद तिवारी, डॉ0 ज्ञानेश्वर कुमार गुप्ता, इंजीनियर रजत चौरसिया, निधि अस्थाना सहित समस्त छात्र व छात्राएं उपस्थित रहे।